DSSSB PRT, TGT & PGT

Part(A+B)

SCHOLAR BATCH

हिन्दी

रीतिकाल

Part -4

LIVE 22-06-2024 09:00 AM

रहीम

अब्दुल रहीम खान-ए-खानाँ एक मध्यकालीन कवि, सेनापति एवं विद्वान थे। रहीम बहुमुखी प्रतिभा से सम्पन्न व्यक्ति थे। वे एक ही साथ कलम और तलवार के धनी थे। रहीम का जन्म लाहौर में हुआ था। रहीम अकबर के दरबार में रहते थे। अकबर ने अपने समय की सर्वोच्च उपाधि 'मीरअर्ज' से रहीम को विभूषित किया।

रहीम ने अवधी और ब्रजभाषा दोनों में ही कविता लिखी है। इनके काव्य में श्रृंगार, शान्त तथा हास्य रस मिलते हैं। दोहा, सोरठा, बरवै, कवित्त और सवैया उनके प्रिय छन्द हैं। भक्ति, नीति, प्रेम और श्रृंगार का सुन्दर समावेश मिलता है।

रचनाएँ

- रहीम दोहावली - ब्रजभाषा
- बरवैनायिका भेद - अवधी (भाषा
- मदनाष्टक - खड़ी बोली (भाषा)

रास पंचाध्यायी - ब्रजभाषा

नगर शोभा - ब्रजभाषा

'बरवैनायिका भेद' अवधी भाषा में लिखा प्रथम रीति निरूपक ग्रंथ है। इसकी रचना संस्कृत के भानुदत्त की 'रसमंजरी' के आधार पर हुई है। रहीमदास ने संस्कृत फारसी और हिन्दी मिश्रित भाषा में खेलकौतुक जातकम्' नामक एक ज्योतिष ग्रंथ की रचना की ।

आचार्य रामचन्द्र शुक्ल — “रहीम का हृदय द्रवीभूत होने के लिए कल्पना की उड़ान की अपेक्षा नही रखता था । वह संसार के सच्चे और प्रत्यक्ष व्यवहारों में ही द्रवीभूत होने के लिए पर्याप्त स्वरूप पा जाता था।

गिरिधर कविराय

गिरिधर कविराय के समय और जीवन के सम्बन्ध में प्रमाणिक रूप से उपलब्ध नहीं है। अनुमान किया जाता है कि वे अवध के किसी स्थान के निवासी थे। इनकी कुण्डलियाँ दैनिक जीवन की बातों से सम्बद्ध है और सीधी-सरल भाषा में कही गई हैं। वे प्रायः नीतिपरक हैं, जिनमें परम्परा के अतिरिक्त अनुभव का पुट भी है।

इनकी रचना 'स्फुट कुण्डलियाँ' हैं।

रीतिकाल की अन्य काव्य प्रवृतियाँ एवं कवि

उपरोक्त प्रमुख कवियों के अतिरिक्त कुछ कवियों की प्रमुख कृतियाँ इस प्रकार हैं-

वीर काव्य

कवि	रचनाएँ
लाल कवि	छत्र-प्रकाश
जोधराज	हम्मीर रासो
सूदन	सुजान चरित
खुमान 'मान'	नृसिंह चरित्र, लक्ष्मण शतक

भक्ति काव्य

कवि		रचनाएँ
दरिया साहब	-	ज्ञानदीपक, दरिया सागर
शिव नारायण	-	'गुरु अन्यास'
तुलसी साहब	-	घट रामायण, रत्नसागर, शब्दावली, पद्म सागर अपूर्ण
गुरु तेग बहादूर	-	'आदि ग्रंथ'
अक्षर अनन्य	-	सिद्धान्त बोध, ध्यान योग, विज्ञान योग, राजयोग, विवेक दीपिका, अनन्य प्रकाश
धरणीदास	-	प्रेम प्रकाश, रत्नावली
बूला साहब	-	शब्द सागर
सहजो बाई	-	सहज प्रकाश

- गुरु तेग बहादुर सिंह सिखों के नौवें गुरु थे।
- दयबाई और सहजोबाई दोनों चरणदास की शिष्या थीं।
- शिवदयाल 'राधास्वामी सत्संग' के प्रवर्तक थे।
- चरनदास ने चरनदासी सम्प्रदाय का प्रवर्तन किया।

प्रेमाख्यानक काव्य

कवि	रचनाएँ
शेख निसार	युसुफ जुलेखा
सूरदास	नलदमन
दुखहरन	पुहुपावती
सेवाराम	नलदमयंति चरित्र
केसि	माधवानल नाटक
दामोदर	माधवानल कथा

कवि	रचनाएँ
नवल सिंह	रामचन्द्र विलास, आल्हा रामायण, आध्यात्म रामायण, रूपक रामायण, सीता स्वयंवर, नाम रामायण, मिथिला खण्ड
रामप्रिया शरण	सीतायन
कृपा निवास	भावना पच्चीसी, समय प्रबन्ध, माधुरी प्रकाश, जानकी सहस्त्रनाम
मनियार सिंह	हनुमत छब्बीसी, सौन्दर्य लहरी, सुन्दरकाण्ड
विश्वनाथ सिंह	आनन्द रघुनन्दन नाटक

कृष्णकाव्य

कवि	रचनाएँ
गुमान मिश्र	कृष्णचन्द्रिका, नैषध काव्य, छन्दाटवी
ब्रजवासीदास	ब्रजविलास
कवि मंचित	कष्णायन

- वृन्दावनदेव प्रसिद्ध कवि घनानन्द के गुरु थे।

रीतिकाल में रचित मुक्त शैली कृष्ण काव्य निम्न है-

कवि	सम्प्रदाय	रचनाएँ
रुपरसिक देव	निम्बार्क	लीला विंशति, हरिव्यास यशामृत, नित्यविहार पदावली, वृद्धोत्सव मणिमाला।
नागरीदास	–	मनोरथ मंजरी, इश्क चमन, फाग विलास, फाग विहार, रसिक रत्नावली
अलबेली अली	विष्णुस्वामी	श्री स्त्रोत, समय प्रबन्ध पदावली
प्रेम सखी	सखी	स्नेहसागर, विरह विलास बारह मासा, विरह पत्रिका, फाग तरंगिनी कष्ण जू की पाती
सहचरि सरन	सखी	ललित प्रकाश, सरस मन्त्रावली
कृष्ण दास	–	माधुर्य लहरी
सुंदरी कुंवरिबाई	राधा वल्लभ	नेह निधि, संकेत युगल, भावना प्रकाश

1. 'अमिय हलाहल मदभरे, सेत, स्याम रतनार' पंक्ति के रचयिता कौन है?

(a) बिहारी

(b) देव

(c) कुलपति मिश्र

(d) रसलीन

(DSSSB PGT 2018):

2. कौन - सी रचना भूषण की नहीं है?

(a) छत्रसाल दशक

(b) काव्य रसायन — देव

(c) शिवा बावनी

(d) शिवराज भूषण

(DSSSB PGT 2018):

3. 'बतरस लालच लाल की, मुरली धरी लुकाई' पंक्ति के रचयिता हैं?

(a) मतिराम

(b) पद्माकर

(c) केशवदास

(d) बिहारी

(DSSSB PGT 2018)

4. रीतिकालीन कवि चिंतामणि किसके भाई थे ?

(a) बिहारी

(b) भूषण

(c) केशवदास

(d) घनानन्द

(DSSSB PGT 2018)

5. 'रस गंगाधर' किसकी रचना है?

(a) अभिनव गुप्त

(b) भट्ट नायक

(c) पण्डित जगन्नाथ

(d) भरतमुनि

(DSSSB PGT 2015)

6. निम्नलिखित को सुरक्षित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर चुनिए ।

(DSSSB PGT 2015)

सूची-I (लक्षण ग्रंथ)	सूची-II
A. रसिक प्रिया	(i) चिंतामणि
B. काव्य प्रकाश	(ii) मतिराम
C. ललित ललाम	(iii) कुलपति मिश्र
D. रस रहस्य	(iv) केशवदास

4 1 2 3

कूट : A B C D

(a) ii, iii, iv, i

(b) iv, I, ii, iii

(c) iii, iv, I, ii

(d) I, ii, iii, iv

7. रीतिकाल की सर्वाधिक व्यापक प्रवृत्ति

(a) नायिका भेद और श्रृंगार रस विवेचन

(b) अलंकार विवेचन

(c) छन्द विवेचन

(d) शब्द शक्ति और काव्य गुण दोष विवेचन

(DSSSB PGT 2015)

8. विज्ञान गीता .... की कृति है ।

(a) केशवदास

(b) सूरदास

(c) तुलसीदास

(d) बिहारी

(DSSSB PGT 2015)

9. भाषा भूषण के रचयिता हैं।

(a) भूषण

(b) देव

(c) कुलपति मिश्र

(d) जसवंत सिंह

(DSSSB PGT 2015)

10. रसरतन के रचयिता हैं

(a) जानकवि

(b) पुहकर कवि

(c) शेखनवी

(d) शेखनिसार

(DSSSB PGT 2015)

11. केशवदास को 'कठिन काव्य का प्रेत' किस आलोचक ने कहा?

(a) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(b) पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी

(c) आचार्य रामचंद्र शुक्ल

(d) डॉ. इंद्रनाथ मदान

(DSSSB TGT 2014)

12. 'बिहारी सतसई' में कुल दोहा- संख्या कितनी है?

(a) 700

(b) 750

(c) 719

713 – मान्य

(d) 725

(DSSSB TGT 2014)

13. ' चण्डीचरित्र' किसकी रचना है?

(a) गुरु गोविन्द सिंह

(b) पद्माकर

(c) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'

(d) सुमित्रानन्दन पन्त

(UP TGT 2016)

14. सिखों के 'दशमग्रंथ' में गुरु गोविन्द सिंह की कितनी रचनाएँ संकलित हैं?

(a) 15

(b) 16

(c) 20

(d) 21

15. गुरु गोविन्द सिंह की किस रचना में शृंगार रस का रंग है?

(a) चण्डी चरित्र

(b) सुनीति प्रकाश

(c) चौबीस अवतार

(d) उपर्युक्त सभी

16. 'विष्णु विलास' किसकी रचना है?

(a) सूदन

(b) पद्माकर

(c) भूषण

(d) लाल कवि

(NVS TGT 2010)

17. 'विनयशतक' के रचयिता हैं

(a) तोष कवि

(b) लाल कवि

(c) देव कवि

(d) वृन्द कवि

18. 'छत्रसाल दशक' किसकी रचना है?

(a) पद्माकर

(b) भूषण

(c) मण्डन मिश्र

(d) घनानन्द

19. 'व्यंग्यार्थ कौमुदी' के रचनाकार हैं

(a) मतिराम

(b) पद्माकर

(c) प्रताप साहि

(d) भिखारीदास

(UGC NET 2014)

20. हिन्दी में सतसई परम्परा की प्रथम कृति है

(a) हिततरंगिणी

(b) बिहारी सतसई

(c) वीर सतसई

(d) मतिराम सतसई

21. 'आर्यासप्तशती' किसकी रचना है?

(a) हाल

(b) गोवर्धन

(c) अमरूक

(d) कृपाराम

22. "ढेल सो बनाय आय मेलत सभा के बीच,
लोगन कवित्त कीबो खेल करि जान्यो है।"

(a) ठाकुर

(b) पजनेस

(c) पद्माकर

(d) इनमें से कोई नहीं

(UP PGT 2016)

23. " लोग हैं लागि कवित्त बनावत, मोहिं तो मेरे कवित्त बनाव |

(a) सेनापति

(b) घनानन्द

(c) सुरति मिश्र

(d) मण्डन मिश्र

24. 'हवै है घरी भाग उघरी'

(a) गोवर्धन

(b) बोधा

(c) घनानन्द

(d) आलम

25. 'आनन्द विधान सुखदानि दुखियान दे'

(a) देव कवि

(b) वृन्द कवि

(c) कृपाराम

(d) घनानन्द

(NVS TGT 2010)

26. "यहाँ साँचे चलै तजि आपनपी,

झिझकैं कपटी जे निसांक नहीं ।

(a) घनानन्द

(b) पद्माकर

(c) भूषण

(d) दूलह

27. घनानन्द की किस कृति में पंजाबी और उर्दू शब्दों की भरमार है ?

(a) सुजान सागर

(b) इश्कलता

(c) पदावली

(d) सरस वसन्त

28. 'सुजान सागर' के रचयिता हैं

(a) बोधा

(b) आलम

(c) घनानन्द

(d) रसलीन

29. घनानन्द की वह कृति जिसमें कृष्ण के नाम पत्र लिखकर ब्रजवासियों की ओर से अनेक उलाहने दिए गए हैं

(a) कृष्ण कौमुदी

(b) इश्कलता

(c) सरस वसंत

(d) प्रेम-पत्रिका

(KVS TGT 2016)

30. घनानन्द की किस कृति में कृष्ण लीलाओं का वर्णन है?

(a) कृष्ण कौमुदी

(b) सुजान हित

(c) इश्कलता

(d) यमुना यश

30 - स्कोर

रीतिकाल